प्रस्तावित ईको-पुनर्स्थापन कार्य

स्थानीय समुदाय के परामर्श से निम्नलिखित कार्य किए जाएँगे:

सर्वेक्षण और सीमांकन: क्षेत्र का सटीक सर्वेक्षण एवं सीमांकन किया जाएगा, साथ ही किसी भी अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

भौतिक सफाई: अत्यधिक जल वनस्पतियों को हटाना (डी-वीडिंग), मुख्य जल निकाय का डी-सिल्टिंग और प्राकृतिक जल निकासी चैनलों की सफाई की जाएगी।

आवास सुधार: जीवों के लिए कृत्रिम टीले बनाए जाएँगे, खोदे गए गड्ढों को पुनः भरा जाएगा, और विशेष रूप से भारतीय कछुए के लिए आवास सुधार कार्य किए जाएँगे।

वनस्पति प्रबंधन: जलीय एवं स्थलीय वनस्पतियों का समुचित प्रबंधन किया जाएगा ताकि पारिस्थितिक संतुलन बना रहे।

जल प्रबंधन: सरस्वती नहर से ब्रह्म सरोवर तक जल चैनल बनाया जाएगा, ट्यूबवेल स्थापित किया जाएगा, और गाँव का अपशिष्ट जल सरोवर में जाने से रोका जाएगा।

समुदाय और अवसंरचना विकास: एक इंटरप्रिटेशन सेंटर, एक मनोरंजन पार्क, और धार्मिक अनुष्ठानों हेतु घाट विकसित किए जाएँगे। निगरानी और आगंतुक जानकारी हेतु वॉच टावर और सूचना पट्ट लगाए जाएँगे।

संरक्षण और निगरानी: Fish Fingerlings को छोड़ा जाएगा ताकि पारिस्थितिक तंत्र स्थिर हो सके, और नियमित पक्षी सर्वेक्षण के माध्यम से पुनर्स्थापन प्रयासों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा।

design by conceptzandbeyond.com

WILDLIFE DEPARTMENT HARYANA

स्वर्ण जयंती ब्रह्म सरोवर

गाँव थाना, जिला कुरुक्षेत्र

ब्रह्म सरोवर, गाँव थाना, कुरुक्षेत्र

ब्रह्म सरोवर, जिसे ब्रह्मसर तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है, हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के थाना गाँव में स्थित एक महत्वपूर्ण पलस्ट्राइन आर्द्रभूमि है। यह 102 एकड़ में फैली दलदली आर्द्रभूमि न केवल पारिस्थितिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से भी अत्यंत पूजनीय है। इसका उल्लेख महाभारत के वन पर्व जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। यह स्थल कुरुक्षेत्र शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर तथा पिहोवा-कैथल राजमार्ग से केवल 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। "पवित्र वन और सरोवर" के रूप में इसकी अनूठी स्थिति ने इसे पीढ़ियों से प्राकृतिक संरक्षण प्रदान किया है, और इसका पुनर्स्थापन इसकी समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास और संस्कृति से भरपूर कुरुक्षेत्र के पास स्थित यह चिड़ियाघर न केवल एक मनोरंजन स्थल है, बल्कि प्रकृति के प्रति जागरूकता का एक प्रवेश द्वार भी है।

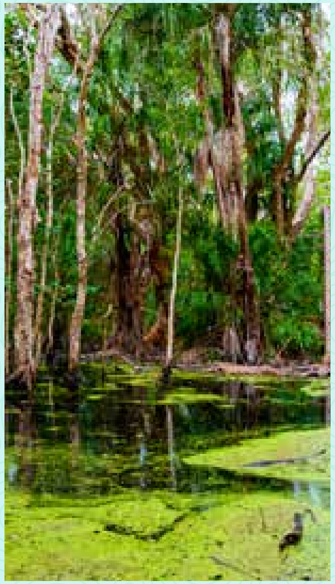

Little Egret, Asian Openbill, White-throated Kingfisher, Black Francolin, Cattle Egret, Knob-billed Duck, Indian Softshell turtle

क्षेत्र का महत्व

पारिस्थितिक महत्त्व: यह आर्द्रभूमि स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करने, भूजल को पुनः भरने और मृदा कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह प्रवासी और स्थानीय पक्षियों, उभयचर, सरीसृप और मछलियों सहित अनेक प्रकार के वन्यजीवों का आश्रय स्थल है। यह birdwatching के लिए एक प्रमुख केंद्र है। साथ ही, यह **Indian Softshell Turtle - *Nilssonia gangetica*** का महत्त्वपूर्ण आवास भी है, जिसे **IUCN द्वारा Vulnerable** और **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I** के अंतर्गत संरक्षित घोषित किया गया है।

सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्त्व: प्राचीन ग्रंथों में वर्णित ब्रह्म सरोवर एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। स्थानीय समुदाय इस आर्द्रभूमि को पवित्र मानता है और इसके तट पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान व त्यौहार आयोजित करता है। यहाँ स्थित प्राचीन मंदिर, ऐतिहासिक धरोहरें, और जल के उपचारात्मक गुणों में विश्वास, इसके गहरे सांस्कृतिक मूल्य को दर्शाते हैं। यह मजबूत सामुदायिक जुड़ाव इस स्थल को व्यावसायिक दोहन से अब तक बचाता आया है।

समृद्ध जैव विविधता

पारिस्थितिक महत्त्व: यह क्षेत्र 13 कुलों से संबंधित 20 वनस्पति प्रजातियों का समर्थन करता है। आसपास का क्षेत्र अपेक्षाकृत विरल वनस्पति वाला है, जहाँ *Salvadora oleoides* और *Acacia nilotica* जैसी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जबकि आर्द्रभूमि क्षेत्र में कमल जैसे सघन जल-वनस्पति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं, जो कभी-कभी जलधारा को बाधित भी कर सकते हैं। यहाँ पाए जाने वाले पाँच *Ficus* प्रजातियाँ पक्षियों के लिए भोजन स्रोत प्रदान करती हैं, जबकि *Millettia pinnata* जैसी प्रजातियाँ चमगादड़ों के लिए विश्राम स्थल प्रदान करती हैं।

प्राणी विविधता: क्षेत्र के सर्वेक्षण में विभिन्न जीव-जंतुओं की उपस्थिति दर्ज की गई है। यहाँ **Indian Flying Fox** और **Indian Palm Squirrel** जैसे स्तनधारी पाए जाते हैं। पक्षियों के लिए यह क्षेत्र स्वर्ग समान है — अब तक 28 कुलों से संबंधित 49 पक्षी प्रजातियाँ यहाँ दर्ज की गई हैं, जिनमें प्रवासी और स्थानीय दोनों प्रकार की प्रजातियाँ शामिल हैं।

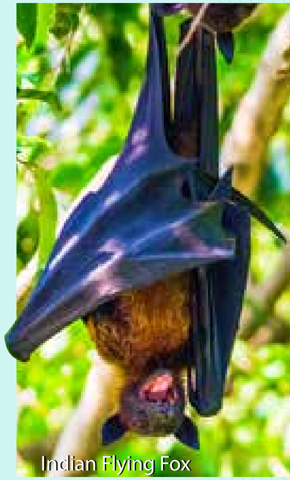

Indian Flying Fox

Grey-headed Swamphen

Common Moorhen

Lesser whistling Duck